चूहो म्याऊँ सो रही है

– धर्मपाल शास्त्री

घर के पीछे
छत के नीचे
पाँव पसारे
पूँछ सँवारे
देखो कोई
मौसी सोई
नासों में से
साँसों में से
घर्र घर्र घर्र घर्र हो रही है
चूहो म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई
खुली रसोई
भरे पतीले
चने रसीले
उलटो मटका
देकर झटका
जो कुछ पाओ
चट कर जाओ
आज हमारा दूधा–दही है
चूहो म्याऊँ सो रही है।

पूँछ मरोड़ो
पाँव सिकोड़ो
नीचे उतरो
चीज़ें कुतरो
आज हमारा
राज हमारा
करो तबाही
जो मनचाही
आज मची है
चूहा शाही
डर कुछ चूहों को नहीं है
चूहो म्याऊँ सो रही है।

❖ **खाली जगह में कविता के लिए चित्र बनाओ**

❖ बिल्ली कहाँ सो रही थी?
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

रसोई में चूहों को क्या–क्या मिला?
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

बिल्ली से निडर होकर चूहे क्या–क्या करना चाहते हैं?
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

❖ **इन शब्दों से अपने वाक्य बनाओ –**

सँवारे, _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ रसीले _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

तबाही, _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ मनचाही _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

श्रुतलेख

1. शिक्षक पैराग्राफ को पढ़कर सुना दें।
2. अब पैराग्राफ को धीरे–धीरे बोलते जाएँ और बच्चे अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखते जाएँ।

मुनिया के घर अक्सर एक बिल्ली आ जाती थी। कभी कुर्सी के नीचे छिपी बैठी मिलती तो कभी बिस्तर के नीचे। उसका रंग सफेद था। उस पर काले और पीले रंगे के धब्बे थे। चितकबरी बिल्ली मुनिया को बहुत अच्छी लगती थी। मुनिया जब भी उसे देखती तो बड़े प्यार से उसे पुचकारती–" बिल्ली, मेरी बिल्ली, म्याऊँ म्याऊँ।" पर बिल्ली मुनिया को पास आती देख फौरन भाग जाती। मुनिया को बहुत बुरा लगता। वह चाहती थी कि बिल्ली से उसकी दोस्ती हो जाए। लेकिन बिल्ली थी कि उसे मुनिया से डर लगता था। एक दिन बिल्ली अम्मा से मार खाते खाते बची थी इसलिए शायद इतना डरती थी।

1. शिक्षक सम्पूर्ण अंश को पुनः पढ़ें। छात्र अपनी भूल सुधारें।
2. बच्चे अभ्यास पुस्तिका को आपस में बदल ले और पुस्तक में से देखकर यह पैराग्राफ जाँचे। गलत शब्दों पर गोला बना दें।
3. गलत शब्दों को सुधार कर तीन–तीन बार लिखें।

गलत शब्द	सही शब्द

श्रुतलेख

इस पैराग्राफ को कोई एक बच्चा जोर से पढ़े तथा शेष बच्चे सुनकर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखें।

कैलाश और रमेश में खूब दोस्ती थी। दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते थे। वे हमेशा साथ घूमते थे। गाँव में ऐसा कोई न था जिसे ये दोनों न जानते हों। लेकिन अभी एक सप्ताह पहले रमेश को अपने पिताजी के साथ शहर जाना पड़ा क्योंकि उनका तबादला हो गया था। रमेश को भी पिताजी के साथ जाना था। उसे अब पढ़ना भी शहर में ही था।।

न चाहते हुए भी रमेश को पिता के साथ जाना पड़ा।

प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. दोनों दोस्तों के नाम क्या थे ?
2. रमेश के पिताजी शहर क्यों गये ?

माँ ने की हड़ताल

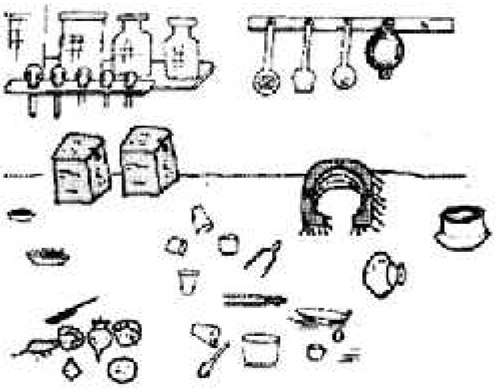

माँ ने की हड़ताल
घर में आया
एक भूचाल।
न ढंग का नहाना-धोना
न ढंग का खाना-पीना।

अँगीठी जली नहीं
दाल गली नहीं
आटा गुँथा नहीं
रोटी पकी नहीं।

पापा करते बड़बड़
मुन्ने ने की गड़बड़
स्कूल दफ्तर को हुई देरी
हर कोई कहे
'आई आफत मेरी'

आकर माँ को खूब मनाया
तब कहीं जाकर चैन आया।

1. 'माँ ने की हड़ताल' से यहां क्या मतलब है?

2. माँ के हड़ताल पर जाने से क्या–क्या हुआ? क्या सच में ही घर में एक भूचाल आया होगा? कैसे?

3. तुम्हें क्या लगता है, माँ ने हड़ताल क्यों की होगी?

4. अपने घर में तुम क्या–क्या काम करते / करती हो? अपनी कॉपी में एक सूची बनाओ।

5. अगर तुमने एक दिन हड़ताल कर दी तो किसकी आफत आएगी? – बाकी लोगों की या तुम्हारी?

6. कक्षा में चर्चा करने के बाद एक पेराग्राफ में लिखो – माँ को कैसे मनाया।

7. अगर माँ की तबीयत खराब हो जाए या माँ घर पर न हो, तो घर का काम कौन करता है?

आओ, कुछ और अभ्यास करें

इनको और किन–किन नामों से जानते हो?

1. भूचाल ______________________
2. अँगीठी ______________________
3. दफ़्तर ______________________

सही शब्दों का चुनाव करो और लिखो।

1. हाड़ताल / हड़ताल / हड़तल ______
2. भूचल / भूचला / भूचाल ______
3. अँगीठी / अँगीटी / अँगिठी ______

ऐसे कौनसे और शब्द हैं जो एक साथ बोले जाते हैं?

जैसे, नहाना–धोना	खाना–पीना
______	______
______	______
______	______

भूचाल क्या चीज़ है और क्यों आता है ? गुरूजी से पूछकर पता करो।

____

____

'*घर में आया एक भूचाल*' का कविता के संदर्भ में क्या मतलब है?

____

____

कविता में लिखा है

***पापा* करते बड़बड़** – बड़बड़ करते हुए पापा क्या–क्या बोलते?

____

____

मुन्ने ने की गड़बड़ – मुन्ने ने क्या–क्या गड़बड़ की होगी?

____

____

अगर किसी दिन पापा हड़ताल पर जाएँ तो घर पर क्या–क्या होगा?

____

____

____

____

भालू– से – न – डरने– वाला

जब रेड इंडियन कबीलों के लड़के बड़े होते हैं तो उन्हें ' बहादुर ' कह कर पुकारा जाता है –किसी से न डरने वाले –यानी बहादुर।

लेकिन एक कबीले में एक ऐसा लड़का था जिसे किसी भी चीज़ से डर लग सकता था। कबीले के लोगों ने उसे "कमज़ोर-दिल " का नाम दे रखा था ।

एक दिन जब कमज़ोर – दिल जंगल में घूम रहा था,उसे एक बहुत ही बड़ा भालू मिला। डर के मारे कमज़ोर–दिल का तो जैसे खून ही जम गया। " ओ... " उसने भालू से कहा । "तुम क्या करने वाले हो? " "तुम्हें जकड़ कर मार डालने वाला हूँ । " भालू ने कहा ।

"क्यों ? "

"क्योंकि मैं बहुत गुस्से में हूँ ? "भालू ने कहा ।

"क्यों ? "

" क्योंकि मेरा सिर बहुत दर्द दे रहा है। क्या तुमने कभी ऐसे भालू के बारे में नहीं सुना जिसका सिर दर्द दे रहा हो? चलो इधर आओ ताकि मैं तुम्हें जकड़ कर मार सकूँ ।"

" पर आखिर तुम्हारा सिर क्यों दर्द दे रहा है? " कमज़ोर दिल ने पूछा। भालू बैठ गया और सोचने लगा।

" बहुत ज्यादा बेर खा लिए होंगे मैंने शायद इसलिए।" उसने कहा। "उसी से मुझे सिर दर्द हो गया होगा ।"

" पर बेरों से तो पेट दर्द होना चाहिए, सिर दर्द नही।" कमज़ोर–दिल ने कहा ।

"ओह " भालू ने कहा। " तब फिर वो तो नहीं हो सकता। शायद जब मैं मधुमक्खी का छत्ता तोड़ रहा था तब किसी मधुमक्खी ने मुझे जोर से काट लिया हो।"

" पर मधुमक्खी के काटने से भालुओं को तो कुछ भी नहीं होता।" कमज़ोर दिल ने कहा।

" ओह।" भालू ने कहा। " अच्छा। फिर वो तो नहीं हो सकता। शायद मैं पेड़ से गिर गया होऊँगा, सिर के बल ।"

"पर भालू तो पेड़ों से गिरते ही नहीं हैं। " कमज़ोर–दिल ने कहा।

"ये तो सही है।" भालू ने कहा। "वो गिरते नहीं हैं। तुम ही बताओ कि मेरा सिर क्यों दर्द दे रहा है।"कमज़ोर–दिल ने एक गहरी साँस ली।

"मुझे लगता है कि तुम्हारा सिर दर्द ही

नहीं दे रहा है।'' उसने कहा,''तुम तो यू ही कल्पना कर रहे हो कि तुम्हें सिरदर्द है।

''सचमुच?'' भालू ने कहा । उसने अपना सिर थोड़ा–सा हिलाया और सोचने लगा।

''पता है, '' फिर उसने कहा। ''पता है, मुझे लगता है तुम बिल्कुल ठीक कह रहे हो । मुझे तो लगता है कि मुझे सिरदर्द है ही नहीं।''

''तो तुम गुस्से में नहीं हो?'' कमज़ोर–दिल ने पूछा।

''नही।''

''तो तुम मुझे जकड़ कर मारना नहीं चाहते हो?''

''नहीं।'' भालू ने कहा। ''लेकिन मेरा सिरदर्द दूर करने के लिए मैं तुमसे हाथ जरूर मिलाना चाहता हूँ।''

''ये तो आपकी मेहरबानी है,'' कमज़ोर दिल ने कहा। ''लेकिन आप अगर मेरी थोड़ी–सी मदद कर सकते तो मेरे लिए बेहतर रहता।''

''ज़रूर '' भालू ने कहा। '' तुम बताओ तो सही।''

''थोड़ा आगे झुकिए।'' कमज़ोर–दिल ने कहा, और भालू थोड़ा आगे झुका ताकि लड़का अपनी बात धीरे से उसके कान में कह सके।

भालू ने ध्यान से सुना।

''सचमुच?'' उसने थोड़ी देर बाद कहा। '' तुम? डरते हो?..... अच्छा, अच्छा, तुम चाहते हो कि मैं.... हा... हा.... आहा! क्या मजा आ जाएगा।''

उस शाम को जब कबीले के डेरे में भालू आया तो इतना डर, इतना डर फैला सब तरफ कि पूछो मत। पर सबसे बड़ी बात तो ये हुई कि उसका सामना करने आया–कोई और नहीं बल्कि कमज़ोर – दिल! जो कि चूहों तक से डरता था। आश्चर्य! उसने भालू को एक घूँसा मारा पेट में, और जब भालू पेट पकड़ कर झुका तो एक घूँसा मारा नाक में। और जब भालू भागने के लिए मुड़ा तो एक लात मारी पीठ पे। भालू जोर से कराहा–

ओ! उसने पीठ पकड़ी पंजों से और भागा जंगल की ओर। भागते–भागते उसकी हँसी फूट पड़ी, लेकिन कबीले के लोगों को ये कैसे दिखता? वो तो बस चुप–चाप अचम्भे में देखते रह गए। फिर कबीले के मुखिया आगे आए। उन्होंने कमज़ोर–दिल के सिर की पट्टी में बाज़ का एक पंख लगाया। फिर उन्होंने पूरे कबीले की ओर मुड़कर कहा–''आज से हमारे पास कमज़ोर-दिल नाम

का लड़का नहीं है। ये एक बहादुर है और इसका नाम है– भालू–से–न–डरने–वाला।''

''इसका नाम है भालू–से–न–डरने–वाला!!'' पूरे कबीले ने जोर से दोहराया।

पेड़ों के पीछे से झाँकते हुए भालू ने खुशी से अपने आप को ही जकड़ लिया और फिर मुस्कराते हुए जंगल की ओर बढ़ने लगा ।

अब इन प्रश्नों के उत्तर दो –

1. कबीले के लोग किसको बहादुर बुलाते थे ?
2. भालू गुस्से में क्या करना चाहता था ?
3. कमज़ोर–दिल ने भालू के कान में क्या कहा होगा, अपने शब्दों में लिखो–
4. कमज़ोर–दिल ने भालू से लड़ाई क्यो की ?
5. क्या तुमको लगता है कमज़ोर –दिल सच में कमज़ोर था ? बताओ क्यों ?
6. भालू से लड़ते हुए कमज़ोर दिल का चित्र बनाओ ।
7. नीचे लिखे वाक्य किसने किससे कहे –

(क) इसका नाम है ''भालू –से–न–डरने वाला! ''

(ख) ''पर आखिर तुम्हारे सिर में दर्द क्यों हो रहा है ?''

(ग) ''तुम्हें जकड़ कर मार डालने वाला हूँ !''

8. तुम्हें किससे डर लगता है–अपने अनुभव लिखो /बताओ ।
9. किसी बहादुर बच्चे के बारे में लिखो– वह तुम्हें बहादुर क्यों लगा ?

बहादुर नाम का मतलब है–जो किसी से डरता न हो। हम सब के नामों का कुछ न कुछ मतलब हैं। तुम्हें अपने नाम का मतलब पता है ? यहा लिखो–अपने दोस्तों के नाम का मतलब भी पता कर के यहा लिखो

नाम	मतलब

* कमजोर –दिल को किसी भी चीज़ से डर लगता था। हम सभी को कुछ – चीज़ों से डर लगता है –तुमको भी, मुझे भी, गुरूजी को भी, माँ को भी, बड़े भैया को भी.......।

क्या तुमने अपने दोस्त को कभी बताया है कि तुम्हें किस से डर लगता है ?

कभी किसी और को बताया है ?

अपनी कक्षा के साथ बैठकर सब बारी–बारी से बताओ कि तुम्हें किस से डर लगता है – गुरूजी से भी पूछो उन्हें किन–किन चीज़ों से डर लगता है ।

* क्या कभी ऐसा भी हुआ कि तुम्हें जिस से डर लगता है, तुम उससे नहीं डरे ?

* तुम्हारे गाँव में कोई ऐसा है–जिसने कोई ऐसा हिम्मत का काम किया हो जो और कोई नहीं कर पाया ? उसके बारे में लिखो ।

10. तुमने कक्षा चौथी में नाटक पढ़ा होगा। क्या इस कहानी को नाटक के रूप में लिखा जा सकता है? शुरुआत तुम्हारे लिए कर दी गई है इसे पूरा करो ।

(रेड इंडिन कबीले का एक लड़का जंगल में घूम रहा है। देखने में तो कबीले के और लड़कों की तरह ही है – सिर पर लाल रंग की पट्टी बाँधे , पट्टी में पंख लगाए – लेकिन उसे हर चीज़ से डर लगता है ।)

सोचता हुआ जा रहा है कोई जंगली जानवर न मिल जाए.......कि तभी सामने से कुछ आता दिखाई दिया " अरे....इ.....इतना बड़ा भा...... भालू.....!")

कमज़ोर दिलः (डरते हुए) "ओ..... तुम क्या करने वाले हो ?"

भालू :

कमज़ोर–दिल :

आओ, कुछ और अभ्यास करें :

गहरे रंग में लिखे गए शब्द किसके लिए कहे गए हैं? वाक्य के सामने लिखो।

तुम्हें जकड़ कर मार डालूँगा। ----

मुझे ऐसा लगता है कि **तुम्हारा** सिर दर्द ही नहीं दे रहा है? ---- ----

क्योंकि **मैं** बहुत गुस्से में हूँ। ----

उसने भालू को एक घूँसा मारा। ----

तुम बिल्कुल ठीक कह रहे हो। ----

ये तो **आपकी** मेहरबानी है। ----

भालू ने खुशी से **अपने आप** को ही जकड़ लिया। ----

किसी का नाम बोलने की जगह हम कई और शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इन शब्दों को ***सर्वनाम*** *कहते हैं।*

कहानी में से छाँटकर या सुने हुए ऐसे और शब्द यहाँ लिखो।

रेखांकित शब्दों के बदले सर्वनाम का प्रयोग कर वाक्य लिखो।

उदाहरण–

मोहन बाज़ार जा रहा है। — वह बाज़ार जा रहा है।

सीता की आवाज़ बहुत मीठी है। --------------------

श्याम ने अभी खाना नहीं खाया। --------------------

रमेश आज आया क्यों नहीं? --------------------

शाहपुर में मीना को डाक्टर से मिलना है। --------------------

मधुमक्खी के काटने से भालुओं को कुछ नहीं होता। --------------------

आज मास्साब ने मज़ेदार खेल खिलाए। --------------------

हम कल बजरंग घूमने जाएँगे। --------------------